इंडिया स्टोनमार्ट से प्रदेश के पत्थर उद्योग को मिलेगा वैश्विक मंच : मुख्यमंत्री

राज्य सरकार स्टोन इंडस्ट्री के विकास और विस्तार के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का पत्थर उद्योग निरंतर प्रगति कर रहा है। राज्य सरकार इसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार एवं विकास के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्य योजना बनाकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी इंडिया स्टोनमार्ट का आयोजन प्रदेश की स्टोन इंडस्ट्री को गति देने में अहम कड़ी साबित होगा।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में इंडिया स्टोनमार्ट-2026(13वां संस्करण) की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय विक्रेताओं को राजस्थान के पत्थर उद्योग की समृद्धता की पूरी जानकारी दी जाए। साथ ही, उन्होंने स्टोनमार्ट में घरेलू एवं प्रवासी प्रतिभागिता को बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने स्टेट व कंट्री पेवेलियन की तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्टोनमार्ट में आयोजित होने वाले जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल के जरिए प्रदेश के स्टोनव्यवसाय को वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने कहा कि बायर-सेलर मीट का आयोजन कार्य योजना के अनुसार किया जाए, जिससे प्रदेश के पत्थर उद्योग को निर्यात के नए अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने शिल्पग्राम आयोजन से संबंधित जानकारी भी ली। उल्लेखनीय है कि फरवरी के प्रथम सप्ताह में आयोजित होने वाले इंडिया स्टोनमार्ट-2026 में देश-विदेश के मार्बल, ग्रेनाइट, सेंड स्टोन, कोटा स्टोन, क्वार्ट्स स्टोन, स्लेट सहित विभिन्न स्टोन्स का प्रदर्शन होगा। साथ ही, स्टोन मशीनरी, उपकरण एवं भारी अर्थमूविंग मशीनों का प्रदर्शन किया जाएगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, रीको व सीडीओएस के अधिकारी सहित लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सीएमओ में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर इंडिया स्टोनमार्ट-2026 की तैयारियों पर चर्चा की।

- जेईसीसी में होने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के मार्बल, ग्रेनाइट, सेंड स्टोन, कोटा स्टोन, क्वार्ट्स स्टोन, स्लेट स्टोन्स का प्रदर्शन होगा।

नशे के अंधकार में डूब चुके युवाओं को बाहर निकाल रही भजनलाल सरकार

नशा मुक्ति केन्द्रों से टूटे हौसलों को मिल रही नई सांस : अविनाश गहलोत

जयपुर (कासं)। नशे के अंधकार में डूब चुके युवाओं को इस दलदल से बाहर निकालकर पुन: बेहत्तर जीवन देने की दिशा में भजनलाल सरकार पुरजोर तरीके से काम कर रही है। प्रदेश में 82 लाइसेंसशुदा गैर-अनुदानित, 10 राज्य सरकार द्वारा अनुदानित और 38 भारत सरकार द्वारा अनुदानित नशा मुक्ति केंद्र संचालित है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्पष्ट सोच है कि राजस्थान का कोई भी युवा नशे की लत में अकेला न पड़े। इसी भावना के तहत राज्य सरकार ने वर्ष 2025 के बजट में 10 करोड़ रुपये का प्रावधान करते हुए श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर और बाड़मेर सहित 10 जिलों में 25-25 बेड क्षमता के नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किए। आज ये केंद्र पूरी क्षमता से संचालित हैं और सैकड़ों युवा नशे से बाहर निकलकर फिर से अपने सपनों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

सामाजिक कल्याण एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि, "नशा... जो किसी एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और भविष्य को धीरे-धीरे निगल लेता है।

वर्षों से राजस्थान के कई घरों में यह दर्द चुपचाप पल रहा था। कोई बेटा रास्ता भटक गया था, कोई भाई उम्मीद खो चुका था, तो कहीं माता-पिता की आंखें अपने ही बच्चे को बचाने की आस में सूख चुकी थी। ऐसे ही अंधेरे में डूबे युवाओं के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सुशासन एक नई रोशनी बनकर सामने आया है। सरकार का यह प्रयास केवल इलाज नहीं, बल्कि टूट चुकी ज़िंदगी को फिर से खड़ा करने का संकल्प है।"

- प्रदेश में 82 लाइसेंसशुदा गैर-अनुदानित, 10 राज्य सरकार द्वारा अनुदानित और 38 भारत सरकार द्वारा अनुदानित नशा मुक्ति केंद्र संचालित

मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रदेश में संचालित नशा मुक्ति केंद्र आज सिर्फ इमारतें नहीं, बल्कि उन परिवारों की उम्मीद हैं, जिन्होंने अपने बच्चे को खोने का डर देखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग डिमांड रिडक्शन ने नशे के खिलाफ एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया है। राजस्थान में विद्यालयों, तकनीकी और उच्च शिक्षण संस्थानों से लेकर गांव-गांव तक यह संदेश पहुंचा कि नशा कोई शौक नहीं, बल्कि भविष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है।

उन्होंने बताया कि 1.11 करोड़ से अधिक लोगों ने शपथ कार्यक्रमों, मैराथन और जागरूकता अभियानों के माध्यम से नशे के खिलाफ आवाज़ उठाई।

करीब 8292 शिक्षण संस्थानों और 1568 गांवों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि अब समाज भी चुप नहीं है।

1597 मास्टर वॉलिंटियर्स बने उम्मीद

15 अगस्त 2020 को शुरू हुआ नशा-मुक्त भारत अभियान आज राजस्थान के हर कोने तक पहुंच चुका है। 15 अगस्त 2023 से राज्य के सभी 41 जिलों को इसमें शामिल किया गया। सभी जिलों में 1597 मास्टर वॉलिंटियर्स तैयार किए जा चुके हैं। ये वो लोग हैं जो बिना किसी स्वार्थ के, समाज के बीच जाकर भटके युवाओं को सही राह दिखा रहे हैं, उन्हें यह भरोसा दिला रहे हैं कि बदलाव संभव है।

नशे के खिलाफ शपथ में राजस्थान तीसरे स्थान पर

12 अगस्त 2025 को आयोजित नशा-मुक्ति शपथ समारोह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लाखों दिलों की आवाज़ था।

32.5 लाख लोगों, 30.5 हजार से अधिक शिक्षण संस्थानों और 2500 से ज्यादा कार्यालयों ने एक साथ यह संकल्प लिया कि नशे को अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस ऐतिहासिक सहभागिता के साथ राजस्थान ने देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आमजन को बिना त्वरित न्याय विकास है अधूरा : भजनलाल शर्मा

राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ के 50वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि आमजन को त्वरित न्याय मिले बिना विकास अधूरा है। न्यायालय और सरकार आपस में मिलकर अंतिम पंक्ति में बैठे वंचित को राहत देने का काम कर रहे हैं। सीएम भजनलाल ने यह विचार राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ के 50वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में रखे।

उन्होंने कहा कि जनता की आस्था न्याय व्यवस्था में है और हम सब की यह जिम्मेदारी है कि यह आस्था ना टूटे। वकीलों और अदालत में संसाधनों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवस्था ठीक नहीं है तो न्याय भी समय पर नहीं मिलेगा। अदालत को दूसरी जगह शिफ्ट करने की बात पर चुटकी लेते हुए कहा कि हम कोर्ट को बाहर ले जाने की बात करते हैं तो कुछ वकील विरोध कर देते हैं। उन्होंने अपना घर कोर्ट के पास जो बना लिया है। अब तो दूसरे वकीलों को भी मौका दो। सीएम ने आश्वस्त किया कि वकील जमीन तलाश कर लें, भवन बनाने की जिम्मेदारी हमारी है। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि लोगों को न्याय दिलाने में वकील महत्ती भूमिका निभा रहे हैं। कई वकील को वंचितों को राहत देने के लिए मुकदमों की फ्री पैरवी भी कर रहे हैं। कार्यक्रम में एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा ने कहा कि कोर्ट में मुकदमों का भार बढ रहा है। ऐसे में अब समय आ गया है कि हाईकोर्ट को नई जगह पर आधुनिक भवन मिले। इस ओर सरकार को निर्णय लेने की जरूरत है। इसके साथ ही निचली अदालतों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर लंबित मामलों पर भी फैसला लिया जाए। एक्टिंग सीजे ने कहा कि पुलिस प्रशासन को वकीलों को उचित सम्मान के साथ सुनना चाहिए और दोनों के बीच मधुर संबंध रहने चाहिए। उन्होंने युवा वकीलों को कहा कि कानूनी पेश धैर्य मांगता है। जल्दी और शॉर्टकट से मुकाम हासिल नहीं किया जा सकता। एक्टिंग सीजे ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ भी दिलाई।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि "जनता की आस्था न्याय व्यवस्था में है और हम सब की यह जिम्मेदारी है कि यह आस्था ना टूटे।"

छात्रवृति के आवेदन 28 फरवरी तक

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने शैक्षिणक सत्र 2025-26 के लिए उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को 31 जनवरी से बढ़ाकर 28 फरवरी कर दिया गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि राज्य सरकार की मंशा आधिकाधिक पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जो छात्र आवेदन नहीं कर पाए हैं वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना तुरंत आवेदन करें। गहलोत ने कहा कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लिए छात्रवृति पोर्टल पर राजकीय (नवीन) या निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के पंजीयन या नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता एवं पाठयक्रमवार फीस स्ट्रक्चर आदि अद्यतन करने, विधार्थियों द्वारा ऑनलाईन आवेदन करने के लिए तिथि बढ़ाई गई है।

डॉ. पूजा मुकुल राष्ट्रपति भवन में 'एट होम' कार्यक्रम में शामिल हुईं

जयपुर (कासं)। जयपुर की डॉक्टर पूजा मुकुल 77वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति भवन में 26 जनवरी को शाम 4 बजे आयोजित "एट होम" कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्हें राष्ट्रपति भवन की ओर से गणतंत्र दिवस पर आमंत्रित किया गया था। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं भी दी। ज्ञात रहे कि डॉ. पूजा मुकुल जयपुर के प्रसिद्ध प्लास्टिक, कॉस्मेटिक एवं रिकस्ट्रक्टिव सर्जन डॉ. संदीपन मुकुल की धर्मपत्नी हैं। डॉ. पूजा मुकुल जयपुर समेत राजस्थान की प्रतिष्ठित ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ (अस्थि रोग विशेषज्ञ) हैं। उन्हें ऑर्थोपेडिक्स और ट्रॉमेटोलॉजी, बोन मैरो ट्रांस्प्लांट और ऑर्थोपेडिक सर्जरी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है।

ऑक्सीजन गैस प्लांट में सिलेंडर फटने से मजदूर की मौत

जयपुर। विश्वकर्मा थाना इलाके में शनिवार की रात को सुपर गैस नाम की एक फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया। जिसके बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सिलेंडर फटने की आवाज इतनी तेज थी की आसपास के इलाके में सुनाई। तेज धमाके की आवाज से आसपास की फैक्ट्रियों में काम कर रहे अन्य मजदूरों में दहशत का माहौल बन गया। इस हादसे में चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू शुरू किया और घायलों को फैक्ट्री से बाहर निकाल कर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। जहां इलाज के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई और वहीं तीन अन्य मजदूरों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।बताया जा रहा है कि थाना इलाके में स्थित करणी विहार नगर ,रोड नंबर -17 पर स्थित इस फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर बनने का काम किया जाता है। जहां शनिवार की रात सिलेंडर भरे जा रहे थे, तभी फैक्ट्री में अचानक से तेज धमाके के साथ ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री की ऊपर की टिन शेड उड गया और एक दीवार भी गिर गई। जिसमे चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।

राजधानी जयपुर में शनिवार को दिनभर बादलों की आवाजाही के बाद देर शाम "मावठ" हुई। करीब 10 से 15 मिनट तक हुई हल्की से तेज बारिश ने शहर को जमकर भिगोया। मौसम में आए इस बदलाव के कारण सर्दी ने एक बार फिर दस्तक दे दी है। बारिश के बाद ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई। फोटो-राष्ट्रदूत

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने किया ग्राम उत्थान शिविर का निरीक्षण

दौसा के श्यामपुरा कलां में लाभार्थियों को चेक एवं स्वीकृति पत्र बांटे

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र में श्यामपुरा कलां में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए। उन्होंने काश्तकारों के साथ संवाद कर सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से उन्हें मिल रहे लाभ के संबंध में फीडबैक लिया। इस दौरान मुख्य सचिव ने पालूदा में पॉली हाउस का अवलोकन कर वहां हो रही जरबेरा फूलों की खेती के बारे में जानकारी ली।

- क्षेत्र के पॉली हाउसों की दिल्ली में केन्द्रीय कृषि मंत्रालय तक चर्चा : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार किसानों को केन्द्रित करते हुए ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के बाद जयपुर में वृहद स्तर पर ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) -2026 का आयोजन प्रस्तावित है, जहां खेती एवं पशुपालन की आधुनिकतम तकनीक से किसानों को रूबरू कराया जाएगा।

उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के पॉली हाउस की दिल्ली में केन्द्रीय कृषि मंत्रालय तक चर्चा होती है। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य की विभिन्न कृषक कल्याण योजनाओं का लाभ लेने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि किसान पीएम सूर्य घर योजना में सोलर प्लांट से बिजली बेचकर किसान बढ़िया आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान काश्तकारों से पॉली हाउस, मछली पालन, फार्म पौण्ड, तारबंदी एवं पीएम सूर्य घर सहित विभिन्न योजनाओं से मिल रहे फायदों के बारे में जानकारी ली।

काश्तकारों ने अवगत कराया कि उन्हें पॉली हाउस से अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। एक पॉली हाउस से हर साल 10 से 20 लाख रुपए के बीच आय हो जाती है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, कलक्टर देवेन्द्र कुमार एवं लालसोट विधायक रामबिलास मीणा ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं स्वीकृति पत्र सौंपे।

मुख्य सचिव ने रामगढ़ पचवारा क्षेत्र के पालूदा गांव में प्रगतिशील किसान डॉ. मोहन लाल मीना के पॉली हाउस में जरबेरा के फूलों की खेती का अवलोकन किया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को रामगढ़ पचवारा क्षेत्र के पालूदा गांव में प्रगतिशील किसान डॉ. मोहन लाल मीना के पॉली हाउस में जरबेरा के फूलों की खेती का अवलोकन किया।

पंखों की उडान के साथ शुरू हुआ जयपुर बर्ड फेस्टिवल

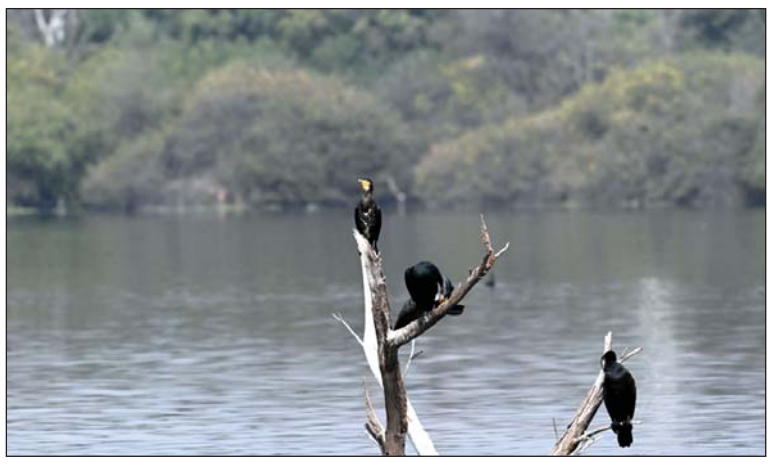

जामडोली स्थित कानोता कैंप रिजॉर्ट में शनिवार को जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2026 के शुभारंभ पर बच्चों ने कैमरे से पक्षियों की अठखेलियों को निहारा।

जयपुर। धरती की आर्द्रभूमियों को बचाने और आसमान में परिंदों की चहचहाहट को फिर से सजीव करने के संकल्प के साथ जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2026 का भव्य शुभारंभ शनिवार को कानोता कैंप रिजॉर्ट, जामडोली (जयपुर) में हुआ। पंखों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण उत्सव से जुड़े थीम पर आधारित इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय आयोजन ने पहले ही दिन प्रकृति प्रेम, संरक्षण चेतना और रचनात्मक अभिव्यक्ति के रंग बिखेर दिए।

ग्रीन पीपल सोसायटी (जयपुर चैप्टर) द्वारा राजस्थान सरकार के वन विभाग एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से आयोजित इस फेस्टिवल का उद्घाटन संरक्षण विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और प्रकृति प्रेमियों की गरिमामय उपस्थिति में हुआ।

ग्रीन पीपल सोसायटी के उपाध्यक्ष एवं जयपुर बर्ड फेस्टिवल के संयोजक विक्रम सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस) ने बताया कि यह आयोजन पिछले 12 वर्षों से राष्ट्रीय पहचान बना चुके उदयपुर बर्ड फेस्टिवल से प्रेरित है और जयपुर में यह पहल प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

फेस्टिवल के पहले दिन आयोजित मुख्य सत्र में विद्यार्थियों के लिए नेचर क्विज, पेंटिंग प्रतियोगिता, बर्ड फोटोग्राफी, बटरफ्लाई एवं पेंटिंग प्रदर्शनी, फिलैटली (डाक टिकट) प्रदर्शनी, रैप्टर्स प्रदर्शनी तथा अत्याधुनिक वीआर एक्सपीरियंस आकर्षण का केंद्र रहे। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में पक्षियों व आर्द्रभूमियों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

- 25 से अधिक पक्षी प्रजातियों से रूबरू हुए बच्चे

फेस्टिवल के तहत आयोजित बर्ड वाचिंग सत्र में बर्ड एक्सपर्ट डॉ. सतीश शर्मा, विक्रम सिंह, राहुल भटनागर, वीरेंद्र सिंह बेडसा, मनोज कुलश्रेष्ठ, डॉ. कमलेश शर्मा, निर्मल मेनारिया सहित अन्य विशेषज्ञों ने बच्चों को शॉवलर, स्पॉट-बिल डक, ग्रे हेरॉन, इग्रेट, कॉरमोरेंट, ग्रेब, कूट्स, पेराकिट्स, मैना सहित 25 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों से रूबरू कराया और उनके आवास, भोजन, प्रवास व प्रजनन से जुड़ी रोचक जानकारियां दीं।

डूंगरपुर के बटरफ्लाई एक्सपर्ट मुकेश पंवार ने राजस्थान की प्रमुख तितलियों पर जानकारी देते हुए पांच तितलियों की लाइव लाइफ साइकल प्रदर्शित की, जिसने बच्चों में विशेष उत्सुकता जगाई।

वहीं उदयपुर की फिलैटली एक्सपर्ट पुष्पा खमेसरा द्वारा भारत सहित विभिन्न देशों के 2 हजार से अधिक पक्षी-आधारित डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाकर संरक्षण संदेश दिया गया। इस मौके पर क्विज व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

राजस्थान में पाए जाने वाले प्रमुख पक्षियों पर आधारित फोटो व पेंटिंग्स की प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों और आगंतुकों का मन मोहा। लाइव पेंटिंग में संतकुमार, शिवानी, महक भूरिया, आयुषी शर्मा ने अपनी कला प्रस्तुत की, वहीं विवेक तोमर और अनुज तोमर ने ओरिगामी व किरिगामी आर्ट के माध्यम से बिना कैंची और गोंद के कागज से आकर्षक पक्षी आकृतियां बनाकर बच्चों को रचनात्मकता से जोड़ा।

फेस्टिवल स्थल पर आमंत्रित टैटू कलाकारों ने बच्चों के गालों और ललाट पर रंग-बिरंगे पक्षियों के टैटू बनाकर उन्हें प्रकृति के और निकट लाने का प्रयास किया। जयपुर में बर्ड फेस्टिवल की जानकारी प्राप्त होने पर फ्रांसीसी पर्यटक बुदवा डू पोंट अपनी पत्नी ओडिल के साथ पहुंचे और इस फेस्टिवल के प्रति बच्चों का उत्साह देखकर प्रसन्नता जताई। उनका कहना था कि पक्षियों और आर्द्रभूमियों का संरक्षण केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का संरक्षण है।